अनुवाद किसे कहते हैं?

अनुवाद की परिभाषा

अनुवाद की विशेषता

अनुवाद के प्रकार

"एक भाषा में व्यक्त विचारों को यथा सम्भव और सहज अभिव्यक्ति द्वारा दूसरी भाषा में व्यक्त करने का प्रयास ही अनुवाद है।"

किसी भाषा में कही या लिखी गयी बात का किसी दूसरी भाषा में सार्थक परिवर्तन अनुवाद (Translation) कहलाता है।

सैमुएल जॉनसन :-

"मूल भाषा की पाठ्य सामग्री के भावों की रक्षा करते हुए उसे दूसरी भाषा में बदल देना अनुवाद है।"

फॉरेस्टन : -

"एक भाषा की पाठ्य सामग्री के तत्त्वों को दूसरी भाषा में स्थानान्तरित कर देना अनुवाद कहलाता है। यह ध्यातव्य है कि हम तत्त्व या कथ्य को संरचना (रूप) से हमेशा अलग नहीं कर सकते हैं।' '

हैलिडे :-

"अनुवाद एक सम्बन्ध है जो दो या दो से अधिक पाठों के बीच होता है, ये पाठ समान स्थिति में समान प्रकार्य सम्पादित करते हैं।' '

न्यूमार्क : -

"अनुवाद एक शिल्प है, जिसमें एक भाषा में व्यक्त सन्देश के स्थान पर दूसरी भाषा के उसी सन्देश को प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाता है।"

देवेन्द्रनाथ शर्मा :-

"विचारों को एक भाषा से दूसरी भाषा में रूपान्तरित करना अनुवाद है।"

भोलानाथ : -

"किसी भाषा में प्राप्त सामग्री को दूसरी भाषा में भाषान्तरण करना अनुवाद है,,

दंगल झाल्टे :-

"स्रोत-भाषा के मूल पाठ के अर्थ को लक्ष्य-भाषा के परिनिष्ठित पाठ के रूप में रूपान्तरण करना अनुवाद है।"

अच्छे अनुवाद की प्रमुख विशेषताएँ निम्न है –

(1) अनुवादक को जिस भाषा में वह अनुवाद कर रहा है और मूल भाषा का समुचित ज्ञान होना चाहिए।

(2) अनुवाद में आसान भाषा का प्रयोग होना चाहिए।

(3) अनुवादक को अनुवाद में स्पष्ट और सही उच्चारण का प्रयोग करना चाहिए।

(4) अनुवादक को अनुवाद में सही और आकर्षक शब्दों को उपयोग करना चाहिए।

(5) अनुवादक को व्याकरण का उचित ज्ञान होना चाहिए।

(6) अनुवाद को सम्बन्धित विषय का सम्पूर्ण ज्ञान होना चाहिए।

अनुवाद के प्रकार-

अनुवाद तीन प्रकार के होते हैं

(1) भाषानुवाद, (2) भावानुवाद

(3) मुहावरेदार अनुवाद

(1) भाषानुवाद :-

यह विकसित भाषा है। इसमें स्रोत भाषा का पयार्य खोजते हैं और लिखते हैं।

(2) भावानुवाद :-

इसमें शब्द-रचना पर ध्यान न देकर भाव पर ध्यान दिया जाता है। इससे मूल सामग्री की बात आ जाती है।

(3) मुहावरेदार अनुवाद :-

इसमें अनुवाद करते समय मुहावरे के प्रयोग पर ध्यान दिया जाता है। यह अनुवाद सर्वोत्तम है।

इस व्हिडियों / PPT का उदेश्य केवल अध्यापन के लिए है, न कि प्रसिद्धी पाने के लिए। इसका समग्र श्रेय सभी महानुभवों को जाता है जिन-जिनकी सामग्री का उपयोग यह बनाने के लिए हुआ है। मैं उन समस्तजनों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हुँ जिनकी सामग्री का उपयोग यह व्हिडियों / PPT के लिए हुआ है। यह मेरी कोई मौलिक उपलब्धी नहीं है और न ही कोई सृजनात्मकता। इस का उदेश्य केवल और केवल छाञों तक पहुँचाना हैं। इससे किसीके दिल को प्रत्यक्ष या परोक्षरुप से कोई ठेस या आहत पहुँचती है तो मैं उसके लिए क्षमाप्रार्थी हुँ - आपका प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर

JAI BHAWANI SHIKSHAN PRASARAK MANDAL'S

ARTS & SCIENCE COLLEGE SHIVAJINAGAR, GADHI

जय भवानी शिक्षण प्रसारक मंडळ, गेवराई संचलित (कला व विज्ञान महाविद्यालय शिवाजीनगर, गढी ता . गेवराई जि . बीड)

प्रा.डॉ. संतोषकुमार यशवंतकर